

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रेशम विकास विभाग,
प्रेमनगर देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-2

देहरादून: दिनांक: 27 जनवरी, 2011

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-31 की आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की योजनाओं में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-1548/रेशम/तक0अनु0/बजट/2010-11 दिनांक-21 सितम्बर, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-31 के आयोजनागत पक्ष की राज्य सैक्टर की जनजाति क्षेत्र उप योजनाओं के अन्तर्गत कुल प्राविधानित धनराशि ₹1010.00 हजार के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त धनराशि ₹560.00 हजार के अतिरिक्त अवशेष संलग्न विवरणानुसार ₹450.00 हजार (₹ चार लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि निम्नांकित शर्तानुसार व्यय हेतु आपके निर्वहन/आवंटन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा एवं धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।
- 2- उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-187/XXVII(1)/2010, दिनांक-30 मार्च, 2010 एवं पत्र संख्या-275/XXVII(1)/2010, दिनांक-25 मई, 2010 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- 3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय सूचना प्रौद्योगिकी (I.T.) विभाग के शासनादेशों/दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- 4- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 5- व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।
- 6- व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके

आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि धनराशि अनावश्यक रूप से बैंको में पार्किंग के रूप में न रखी जाय।

7- योजनावार स्वीकृत धनराशि का व्यय सम्बन्धित योजना के संगत दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही की जायेगी। किसी भी दशा में संगत दिशा-निर्देशों से इतर कार्यवाही नहीं की जायेगी।

8- स्वीकृत की जा रही धनराशि विभागीय आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न होने पाये।

9- उत्तराखण्ड को-आपरेटिव रेशम फेडरेशन द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि सीधे फेडरेशन के पक्ष में वास्तविक व्यवस्थानुसार उनकी माँग के आधार पर यथाप्रक्रिया अविलम्ब उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोग के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित योजनाओं एवं उनकी सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शासकीय संख्या-355(P)/xxvii-4/2010 दिनांक 21 जनवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या-43(1)/XVI-2/11/7(29)/2010, तददिनांक:

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
5. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
7. जिलाधिकारी, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(के0पी0 पाटनी)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या-43/XVI-2/11/7(28)/2010 दिनांक: जनवरी, 2011 का संलग्नक
 रेशम विकास विभाग के आय-व्ययक 2010-11 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत राज्य सैक्टर
 की योजनाओं में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अवमुक्त की जाने वाली धनराशि का मदवार
 विवरण।

(धनराशि हजार ₹ में)

क्र० सं०	मद का नाम	चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में कुल प्राविधानित धनराशि	पूर्व में स्वीकृत धनराशि	अवमुक्त की जा रही अवशेष धनराशि
1	अनुदान सं०-31 लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म- 00-आयोजनागत 796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-00- 09-सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	500	200	300
	योग:-09	500	200	300
2	12-केन्द्र पोषित कैटेलेटिक योजना			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	200	100	100
	योग:-12	200	100	100
3	17-रेशम वस्त्र विकास योजना			
	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	100	50	50
	योग:-17	100	50	50
	पूर्णयोग :-	800	350	450

(रु चार लाख पचास हजार मात्र)

(के०पी०पाटनी)
 अनु सचिव।